कार्यप्रणाली

एथेनॉल प्लांट के लिए रवाना हुए थे तीन ट्रक, दो ट्रकों का अब तक नहीं मिला सुराग

एफसीआई से निकला माल, रास्ते में हुआ कमाल!

नवभारत, बालाघाट। एफसीआई गोदाम से एथेनॉल प्लांट के लिए भेजे गए सीएमआर (कस्टम मिल्ड राइस) से लदे ट्रकों के गायब होने का मामला अब गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। 11 दिन बीत जाने के बाद भी दो ट्रकों का कोई सुराग नहीं मिलना और जीपीएस निगरानी व्यवस्था पर उठते सवाल पूरे तंत्र को कठघरे में खड़ा कर रहे हैं।

पुलिस की जांच में बड़े स्तर पर अनियमितताओं के खुलासे की संभावना जताई जा रही है। इस मामले में एफसीआई और खाद्य विभाग की कार्यप्रणाली भी जांच के दायरे में आ गई है।

जानकारी के अनुसार, नवेगांव स्थित एफसीआई गोदाम से 3 जून को छिंदवाड़ा स्थित एवीजे एग्रो प्राइवेट लिमिटेड के एथेनॉल प्लांट के लिए सीएमआर चावल से लदे तीन ट्रक रवाना किए गए थे।

मामला तब चर्चा में आया जब इनमें से एक ट्रक अपने निर्धारित गंतव्य तक पहुंचने के बजाय वारासिवनी की एक राइस मिल में पकड़ा गया। प्रशासन और खाद्य विभाग की टीम ने कार्रवाई करते हुए ट्रक को जब्त किया, जिसमें लगभग 247 क्विंटल चावल लोड बताया गया।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि बाकी दो ट्रक आखिर कहां गए? 11 दिन बाद भी उनका कोई पता नहीं चल सका है।

इस मामले में प्रशासन ने राइस मिल संचालक, एथेनॉल प्लांट के प्रतिनिधि तथा ट्रक चालक के खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज किया है। पूरे प्रकरण की जांच के लिए 12 सदस्यीय एसआईटी गठित की गई है।

लेकिन जांच के दौरान सामने आया कि संबंधित ट्रकों में जीपीएस व्यवस्था को लेकर गंभीर प्रश्न खड़े हो रहे हैं। सूत्रों का दावा है कि वाहनों की निगरानी प्रक्रिया और दस्तावेजी सत्यापन में लापरवाही बरती गई हो सकती है।

यदि यह तथ्य सही पाए जाते हैं, तो जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों की भूमिका भी जांच के घेरे में आ सकती है।

सिर्फ दो ट्रकों तक सीमित नहीं है मामला?

जांच से जुड़े जानकारों का मानना है कि यदि पिछले कुछ महीनों में एफसीआई गोदाम से एथेनॉल प्लांटों के लिए भेजे गए वाहनों, उनके रिकॉर्ड और संबंधित दस्तावेजों की व्यापक जांच की जाए तो और भी बड़े खुलासे सामने आ सकते हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि परिवहन रिकॉर्ड, जीपीएस डेटा और वित्तीय लेनदेन की गहन पड़ताल से पूरे नेटवर्क की तस्वीर स्पष्ट हो सकती है।

जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ रही है, वैसे-वैसे राजनीतिक गलियारों में भी चर्चाएं तेज हो गई हैं। सूत्रों के हवाले से दावा किया जा रहा है कि मामले की जांच को प्रभावित करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

जांच जारी रहेगी

बताया जा रहा है कि हाल ही में जिले के प्रभारी मंत्री उदय प्रताप सिंह के दौरे के दौरान भी यह मामला चर्चा का विषय बना रहा।

सूत्रों के अनुसार कुछ लोगों द्वारा जांच की गति को प्रभावित करने की कोशिश की गई, लेकिन प्रभारी मंत्री ने स्पष्ट किया कि पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं और किसी भी जांच को रोकना उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं है। इस बयान के बाद यह संकेत गया कि मामले की जांच अपने निर्धारित दायरे में जारी रहेगी।

जीपीएस व्यवस्था पर उठे गंभीर सवाल

नियमों के अनुसार एफसीआई से निकलने वाले प्रत्येक ट्रक में जीपीएस ट्रैकिंग सिस्टम होना अनिवार्य माना जाता है, ताकि उसकी गतिविधियों की निगरानी की जा सके।

तेंदुए की सूचना,निकली जंगली बिल्ली

वन विभाग ने सुरक्षित कराया रेस्क्यू

नवभारत, बालाघाट। ग्राम पंचायत आंवलाझरी के कटिंग टोला में रविवार सुबह तेंदुए के रिहायशी क्षेत्र में घुसने की सूचना से ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। हालांकि वन विभाग के करीब दो घंटे के प्रयास के बाद स्पष्ट हुआ कि नाली के पाइप में छिपा वन्य प्राणी तेंदुआ नहीं, बल्कि जंगली बिल्ली थी, जिसे सुरक्षित बाहर निकलने का रास्ता देकर जंगल की ओर रवाना किया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सुबह लगभग 6:30 बजे ग्राम पंचायत आंवलाझरी के सरपंच श्री अशोक लिल्हारे ने वन विभाग को सूचना दी कि कटिंग टोला स्थित रिहायशी इलाके में नाली के पाइप के भीतर एक तेंदुआ घुस गया है। सूचना मिलते ही वन विभाग का अमला मौके पर पहुंचा। इसके

साथ ही पुलिस विभाग एवं पशु चिकित्सा विभाग की टीम भी घटनास्थल पर पहुंच गई।

वन्य प्राणी एवं स्थानीय लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में उप वनमंडल अधिकारी श्रीमती विनिता फूलबेल तथा वन परिक्षेत्र अधिकारी श्री हिमांशु राय के नेतृत्व में रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। रेस्क्यू टीम (आरआरटी) और वन अमले ने नाली के पाइप के दोनों सिरों पर पिंजरे लगाए, लेकिन पाइप लंबा होने और भीतर अंधेरा होने के कारण वन्य प्राणी की पहचान नहीं हो सकी।

इसी दौरान वनमंडलाधिकारी दक्षिण सामान्य वनमंडल बालाघाट श्री नित्यानंदम् एल. भी मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू कार्य की निगरानी की। लगभग दो घंटे की मशक्कत के बाद पाइप के भीतर मौजूद वन्य प्राणी की पहचान जंगली बिल्ली के रूप में हुई।

वन विभाग ने बताया कि जंगली बिल्ली से आम लोगों को कोई विशेष खतरा नहीं था। इसके बाद उसे सुरक्षित बाहर निकलने का अवसर देने के लिए पाइप के दोनों ओर लगाए गए पिंजरे हटा दिए गए और क्षेत्र को खाली कर दिया गया। करीब आधे घंटे बाद दोपहर लगभग 12:45 बजे जंगली बिल्ली सुरक्षित रूप से पाइप से बाहर निकली और वनखंड धनसुआ की दिशा में चली गई।

ज्ञान भारतम् मिशन को लेकर प्रशासन सक्रिय

बालाघाट। भारत की समृद्ध ज्ञान परंपरा और सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने के उद्देश्य से केंद्र सरकार द्वारा संचालित 'ज्ञान भारतम् मिशन' के तहत बालाघाट जिले में प्राचीन हस्तलिखित पांडुलिपियों की खोज, दस्तावेजीकरण एवं डिजिटलीकरण के लिए व्यापक अभियान शुरू किया जा रहा है। इस संबंध में जिला प्रशासन ने सभी विभागों, शैक्षणिक संस्थानों एवं राजस्व अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए हैं।कलेक्टर कार्यालय से जारी निर्देशों के अनुसार भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा विकसित 'ज्ञान भारतम् एप' के माध्यम से नागरिक अपने पास सुरक्षित पुरानी साहित्यिक, धार्मिक, ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व की हस्तलिखित पांडुलिपियों की जानकारी ऑनलाइन अपलोड कर सकते हैं। हाल ही में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी कमिश्नरों एवं कलेक्टरों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में इस अभियान के व्यापक प्रचार-प्रसार पर विशेष जोर दिया था।

बालाघाट के जिला परिवहन अधिकारी अनिमेष गढ़पाल का नरसिंहपुर स्थानांतरण, देवेश बाथम ने संभाला पदभार

नवभारत, बालाघाट। परिवहन विभाग मध्यप्रदेश द्वारा जारी नवीन स्थानांतरण सूची के तहत बालाघाट के जिला परिवहन अधिकारी श्री अनिमेष गढ़पाल का स्थानांतरण नरसिंहपुर कर दिया गया है। साथ ही उन्हें सिवनी जिले के जिला परिवहन अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है।

स्थानांतरण आदेश के बाद श्री अनिमेष गढ़पाल ने बालाघाट से कार्यमुक्त होकर नरसिंहपुर में पदभार ग्रहण करने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। उनके कार्यकाल में जिले में सड़क सुरक्षा जागरूकता, परिवहन नियमों के पालन तथा विभागीय कार्यों के प्रभावी संचालन के लिए विभिन्न पहलें की गईं। वहीं सिवनी के जिला परिवहन अधिकारी देवेश बाथम का स्थानांतरण बालाघाट किया गया है। श्री बाथम ने बालाघाट पहुंचकर जिला परिवहन अधिकारी का कार्यभार ग्रहण कर लिया है। श्री देवेश बाथम के पदभार ग्रहण करने के साथ ही जिले के परिवहन विभाग की प्रशासनिक जिम्मेदारियां अब उनके नेतृत्व में संचालित होंगी। विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उनका स्वागत करते हुए नए दायित्व के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

100 मीटर दूर खदान, सिर पर मौत, चिकमारा में ब्लास्टिंग से कांपे मकान

सालों से धूल-दरार-डर झेल रहा गांव, कंपनी ने कमाए करोड़ों, पानी 100 फीट नीचे पहुंचा

नवभारत कटंगी। हम रोज मरने के लिए जी रहे हैं। खदान वाले दिन में धमाका करते हैं, रात में नींद में धमाका होता है।' - यह दर्द है कटंगी के चिकमारा गांव के आवास टोला का, जहां रविवार को मैंगनीज खदान की हैवी ब्लास्टिंग ने 40-50 परिवारों की सांसें रोक दीं।

सुबह 11 बजे : भूकंप सा धमाका, छत पर गिरे पत्थर

रविवार सुबह 11 बजे मेसर्स आर.बी. श्रीराम एंड कंपनी की खदान में ऐसा धमाका हुआ कि 100 मीटर दूर बसे आवास टोला के घर थर्रा गए। लक्ष्मण लाजेवार घर के बाहर बकरी बांध रहे थे। बोले, 'धमाके के बाद बड़ा पत्थर ठीक बगल में गिरा। दो कदम आगे होता तो मैं नहीं बचता। बच्चे घर में थे। पूरे टोले में चीख-पुकार मच गई थी

ग्रामीणों के मुताबिक ब्लास्टिंग का न सायरन बजा, न कोई बताने आया। अचानक धमाका और फिर आसमान से पत्थरों की बारिश। मकानों में नई दरारें पड़ गईं। छतों पर पत्थर पड़े मिले।

12 बजे : थाने पर फूटा गुस्सा फिर खदान गेट जाम

दहशत के बाद सैकड़ों ग्रामीण लामबंद हुए। दोपहर 12 बजे कटंगी थाने पहुंचकर खदान मालिक के खिलाफ लिखित शिकायत दी। मांग साफ थी - 'खदान बंद करो, मकानों के नुकसान का मुआवजा दो।'

थाने से पुलिस के साथ ग्रामीण खदान पर लौटे। मुख्य गेट पर नारेबाजी कर काम रुकवा दिया। महिलाओं-पुरुषों ने दो टूक कहा, 'मालिक खुद आकर लिखित भरोसा दे कि ब्लास्टिंग से जान-माल का नुकसान नहीं होगा, तभी खदान चलेगी।'

30 साल की लीज, 20 साल और बाकी : 'कब तक सहें?

यह खदान 1996 में 50 साल के लिए आवंटित हुई थी। 2046 तक लीज है। 30 साल बीत गए, 20 साल बाकी हैं। ग्रामीण पूछ रहे हैं, 'कंपनी ने करोड़ों कमाए। हमें क्या मिला? धूल, दरारें, दहशत और सूखे बोर।' पहले 40 फीट पर पानी था, अब 100 फीट बोर में भी नहीं मिलता।

सरपंच अनिता गेडाम कहती हैं, 'पेयजल संकट है। खदान में पानी का अवैध दोहन हो रहा है। कई बार शिकायत की, सुनवाई नहीं हुई। जवाब नहीं मिला।

नियम ताक पर 300 मीटर का नियम, वाइब्रेशन कंट्रोल सब भूले

खनन विशेषज्ञों के मुताबिक रिहायशी इलाके से 300 मीटर तक हैवी ब्लास्टिंग प्रतिबंधित है। यहां खदान महज 100 मीटर दूर है। नियम कहता है ब्लास्टिंग से पहले सायरन, लोगों को सूचना, वाइब्रेशन कंट्रोल जरूरी। चिकमारा में कुछ नहीं हो रहा। 100 मीटर पर ब्लास्टिंग से मकान गिरना तय है। भूजल भी खत्म होगा। एक रिटायर्ड अधिकारी ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया बिना वैज्ञानिक अध्ययन के इतनी गहरी खुदाई अपराध है' -

बच्चे सहमे हुए, रात में चौंककर उठते हैं

महिलाओं ने बताया कि अब धमाके की आवाज से छोटे-छोटे बच्चे सहम जाते हैं। धमाका होते ही मां से लिपट जाते हैं। रात में चौंककर उठ जाते हैं। 'क्या हम 20 साल और ऐसे ही जिएंगे?' - ग्रामीणों का सवाल है। फिलहाल खदान में काम बंद है। ग्रामीण गेट पर डटे हैं। प्रशासन और खदान प्रबंधन की चुप्पी पर सवाल उठ रहे हैं। खनिज विभाग और कंपनी प्रबंधन का पक्ष लेने का प्रयास किया गया।

माइंस नगरी उकवा के बेटे ने रचा इतिहास

सहायक प्राध्यापक भर्ती परीक्षा में प्रदेश में चौथा स्थान हासिल किया

नवभारत, उकवा। सपनों को साकार करने के लिए बड़े संसाधनों की नहीं, बल्कि बड़े हौसलों और अटूट मेहनत की जरूरत होती है। बालाघाट जिले की मैंगनीज नगरी उकवा के युवा नरेंद्र बघेल ने इस बात को सच साबित कर दिखाया है। मध्यप्रदेश सहायक प्राध्यापक भर्ती परीक्षा में भूगोल विषय से पूरे प्रदेश में चौथा स्थान प्राप्त कर उन्होंने न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे बालाघाट जिले को गौरवान्वित किया है।

नरेंद्र बघेल की सफलता संघर्ष, समर्पण और आत्मविश्वास की प्रेरणादायक कहानी है। एक साधारण मध्यमवर्गीय परिवार में जन्मे नरेंद्र के पिता श्री श्रवण बघेल वर्षों से माइंस में कार्यरत हैं और सीमित आय में परिवार का पालन-पोषण करते रहे हैं। आर्थिक चुनौतियों के बीच भी परिवार ने शिक्षा को

सर्वोच्च प्राथमिकता दी और नरेंद्र ने भी अपने सपनों को परिस्थितियों की भेंट नहीं चढ़ने दिया। बचपन से ही मेधावी नरेंद्र ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा स्थानीय शासकीय विद्यालयों से प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बालाघाट से उच्च शिक्षा हासिल की। अध्ययन के दौरान इतिहास और भूगोल विषयों के प्रति उनकी विशेष रुचि विकसित हुई, जिसने उन्हें अकादमिक क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

प्रतियोगी परीक्षाओं की कठिन तैयारी, सीमित संसाधन और बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच नरेंद्र ने कभी हार नहीं मानी। उन्होंने अनुशासित दिनचर्या, निरंतर अध्ययन और दृढ़ इच्छाशक्ति के बल पर पहले इतिहास विषय में राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (ह्श्वञ्ज) उत्तीर्ण की और बाद में भूगोल विषय में भी नेट परीक्षा में सफलता प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने सहायक प्राध्यापक भर्ती परीक्षा में भूगोल विषय से पूरे मध्यप्रदेश में चौथा स्थान अर्जित कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा दिया। नरेंद्र की यह उपलब्धि आज जिले के हजारों युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई है। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों से आने वाले विद्यार्थियों के लिए उनकी सफलता यह संदेश देती है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत ईमानदारी से की जाए तो कोई भी मंजिल दूर नहीं होती।

उनकी इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर उकवा, बैहर और पूरे बालाघाट जिले में खुशी और गर्व का माहौल है। सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों तथा क्षेत्रवासियों ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

अवैध गतिविधि

किसके संरक्षण में रिसॉर्ट की आड़ में चल रहीं अवैध गतिविधियां

मलय वाटर पार्क से युवाओं के साथ पर्यावरण को खतरा

नवभारत, बालाघाट। जिले के वारासिवनी तहसील अंतर्गत भांडी पंचायत में लगा केरा के जंगलों में एक बड़ा विशाल मलय रिसॉर्ट के साथ मलय वाटर पार्क खोला गया है। यह पार्क कम ओर लूटमार का अड्डा अब ज्यादा बन गया है। जिले में यह पार्क अब दारू जुआ हुक्का बार ओर मस्ती गलत अवैध गतिविधियों के ज्यादा पहचाना जा रहा है। लेकिन जिला प्रशासन ओर पुलिस को इसकी जांच करने की आज तक फुर्सत भी नहीं मिली है।

पार्क में आने वाले पर्यटकों से मनमाने ढंग से टिकट वसूला जा रहा है। नियम के मुताबिक 5 वर्ष से ऊपर के बच्चों के लिए अलग टिकट होना चाहिए, लेकिन यहां बड़े-बच्चे सबके लिए एक समान दर वसूली जा रही है। इससे स्पष्ट है कि संचालक जनता को खुलेआम लूट रहे हैं।

पेयजल की नहीं व्यवस्था

एक और हैरान करने वाली बात पार्क में आने वाले सैकड़ों लोगों के लिए पेयजल की कोई व्यवस्था नहीं है। जबकि किसी भी सार्वजनिक स्थान पर स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना बुनियादी जिम्मेदारी होती है, यहां न तो पानी के कूलर हैं, न कोई फिल्टर प्लांट। लोग प्यासे ही लौट रहे हैं, जबकि अंदर पानी की बर्बादी मची हुई है।

बुकिंग के नाम पर बालाघाट जिले सहित आसपास भंडारा तुमसर गोंदिया ओर सिवनी जिले से बड़े बड़े पैसे वाले खासकर युवा दारू हुक्का बार गांजा ओर जुवा खेलने यहां आते है और रंगीनियां मनाते है। यहां जुआ के साथ ओर भी अवैध कारोबार फल-फूल रहा है। जिला प्रशासन क्या कर रहा। आज तक न कोई जांच न कोई टैक्स न कोई ठोस नीति इस रिसॉर्ट के लिए बनाई गई।

यह स्थिति जिले के नैतिक वातावरण को विषाक्त कर रही है। स्कूली बच्चे, परिवार और पर्यटक इस जगह पर आ रहे हैं, लेकिन अंदर चल रहे गंदे धंधों की खबर फैलने से पूरे क्षेत्र की छवि धूमिल हो रही है। क्या पुलिस और प्रशासन को इसकी भनक भी नहीं है या फिर कोई बड़ा हाथ ऊपर से संरक्षण दे रहा है।

पर्यावरण वन्यजीव को खतरा

वाटर पार्क और रिसॉर्ट में आए दिन विवाह पार्टी ओर कई कार्यक्रम आयोजित किए जाते है जिससे वह के कोलाहल प्रदूषण ओर अवशिष्ट पदार्थों के उत्सर्जन पार्क से होने के कारण जंगल के पर्यावरण वन्यजीव वन आदि पर बड़ा खतरा मंडरा रहा।

नियम का उल्लंघन

जिले में पानी की भारी किल्लत है। नदियां, तालाब सूख चुके हैं। किसान रबी फसल लगाने से वंचित हैं, उनकी फसलें जल संकट की भेंट चढ़ रही हैं। जिला प्रशासन ने सख्ती तौर पर 'पानी बचाओ' का नारा दिया, लेकिन मलय वाटर फॉल पर यह नियम लागू नहीं होता। लाखों लीटर पानी प्रतिदिन बर्बाद हो रहा है। अगर यही पानी किसानों के खेतों में पहुंचाया जाए तो सैकड़ों हेक्टेयर भूमि हरी-भरी हो सकती है। संचालक कब राजनीतिक और प्रशासनिक पकड़ के दम पर हौसले इतने बुलंद हैं कि कोई शिकायत, कोई जांच हो कोई कार्रवाई नहीं। क्या यह भ्रष्टाचार का हिस्सा है या फिर बड़े लोगों के संरक्षण में चल रहा धंधा यह तो प्रशासन, रिसॉर्ट संचालक या फिर भगवान ही जानता है।

इतिहास एवं पुरातत्व संग्रहालय के प्रभारी आचार्य वीरेंद्र सिंह गहरवार का कहना हैं कि वॉटर पार्क के पानी में शुद्धिकरण नहीं होने के कारण नहाने वाले को शरीर में खुजली और दाने आते है। साथ ही पुरातत्व संग्रहालय में 0 से 15 साल तक बच्चों का नि:शुल्क है लेकिन यहां बड़ों के बराबर बच्चों से भी बराबर की राशि की जा रही है जिनकी गलत है। पूर्व में हमने भी यह बात उठाई थी, लेकिन इस विषय पर कोई कार्यवाही नहीं की है।

इस संबंध की जानकारी लेने वारासिवनी अनुविभागीय अधिकारी को श्री जायसवाल जी को फोन लगाया गया तो उन्होंने कॉल रिसीव नहीं किया।

जुआ और गलत कार्यों का अड्डा

विशेष सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार रिसॉर्ट में जुआ ,गांजा, हुक्का बार याने शराब शबाब और कबाब आदि विशेष रूप से परोसी जा रही है और इसके लिए विशेष राशि ली जाती है। यह जगह जिले के युवाओं को बर्बाद करने का केंद्र बन गया है।

अब पानी के लिए नहीं तय करनी पड़ती लंबी दूरी

मनरेगा से बने सार्वजनिक कुएं ने बदली वार्ड क्रमांक 11 बकोड़ा की तस्वीर

नवभारत, लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा की ग्राम पंचायत बकोड़ा के वार्ड क्रमांक 11 में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत निर्मित सार्वजनिक कुएँ ने ग्रामीणों के जीवन में बड़ा बदलाव लाया है। लगभग 1.91 लाख रुपये की लागत से निर्मित यह कुआँ अब स्थानीय परिवारों के लिए स्वच्छ और सुलभ जल का भरोसेमंद स्रोत बन चुका है।

पहले वार्ड के लोगों, विशेषकर महिलाओं और बुजुर्गों को पेयजल के लिए 400 से 500 मीटर तक पैदल चलना पड़ता था। गर्मी के दिनों में यह समस्या और भी गंभीर हो जाती थी।

सार्वजनिक कुएँ के निर्माण के बाद अब लोगों को अपने ही वार्ड में पानी उपलब्ध हो रहा है, जिससे समय और श्रम दोनों की बचत हुई है। निर्माण कार्य के दौरान कुछ स्थानीय चुनौतियाँ और अतिक्रमण जैसी समस्याएँ सामने आईं, लेकिन ग्राम पंचायत और संबंधित अधिकारियों के समन्वय से उनका समाधान कर कार्य को सफलतापूर्वक पूरा किया गया। 11 मई 2023 को प्रारंभ हुआ कार्य 20 जुलाई 2023 को पूर्ण हुआ और आज इसका लाभ ग्रामीणों को निरंतर मिल रहा है।

इस पहल से वार्ड के लगभग 20-25 परिवार प्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित हो रहे हैं। पानी की आसान उपलब्धता ने न केवल दैनिक जीवन को सरल बनाया है, बल्कि ग्रामीणों के जीवन स्तर में भी सकारात्मक परिवर्तन लाया है। ग्राम पंचायत बकोड़ा का यह प्रयास ग्रामीण विकास और जनसुविधाओं के सशक्तीकरण की दिशा में एक प्रेरणादायक उदाहरण बनकर सामने आया है।

जीपीएफ खातों की गुमशुदा कटौतियों के निराकरण के लिए 22 से 25 तक विशेष शिविर

नवभारत, बालाघाट। शासकीय सेवकों के सामान्य भविष्य निधि (जीपीएफ) खातों में दर्ज गुमशुदा कटौतियों एवं अप्रविष्ट मदों के त्वरित निराकरण के लिए जिला स्तर पर विशेष जीपीएफ शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) कार्यालय, मध्य प्रदेश, ग्वालियर के मार्गदर्शन में आयोजित किया जा रहा है। वरिष्ठ कोषालय अधिकारी अमित कुमार मरावी ने बताया कि शिविर का आयोजन 22 जून 2026 से 25 जून 2026 तक कलेक्ट्रेट भवन बालाघाट के प्रथम तल स्थित सभाकक्ष के कक्ष क्रमांक 205 में किया जाएगा। शिविर के लिए सहायक कोषालय अधिकारी श्री यशवंत मसकरे को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

राज्यसभा चुनाव में की गई लोकतंत्र की हत्या : मीरा

नवभारत, बालाघाट। मध्यप्रदेश राज्यसभा चुनाव 2026 में कांग्रेस प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन के नामांकन पत्र को निरस्त किए जाने के विरोध में कांग्रेसजनों ने सोमवार को कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर जोरदार विरोध दर्ज कराया। राजीव गांधी पंचायती राज संगठन की जिला अध्यक्ष मीरा राधेश्याम सिंगनदुपे के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बालाघाट कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच की मांग की।

कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी के नामांकन को निरस्त करने की कार्रवाई

लोकतांत्रिक मूल्यों और चुनावी निष्पक्षता पर सीधा प्रहार है। नेताओं ने कहा कि जिस प्रकार नामांकन पत्र खारिज किया गया, उससे पूरी प्रक्रिया संदेह के घेरे में आ गई है और यह लोकतंत्र की हत्या जैसा प्रतीत होता है।

ज्ञापन में मांग की गई कि मामले की स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराई जाए तथा यदि किसी अधिकारी या अन्य व्यक्ति की भूमिका संदिग्ध पाई जाती है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने वाली किसी भी साजिश को जनता कभी स्वीकार नहीं करेगी।

इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सिंह सरसवार, जिला पंचायत सदस्य चेतना अजय कुराहे, श्रीमती रुक्मणी मुकेश माहुले, मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व सचिव जुगल शर्मा, जनपद सदस्य भूरू पटेल, जिला कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष अल्लाह रखा, डॉ. खिनेश लांगे, जिला सेवादल कांग्रेस अध्यक्ष जीतू बर्वे, पूर्व पार्षद साबिर मंसूरी, धर्मेंद्र धांडे, मुकेश माहुले, रोहित पटले पूर्व पार्षद रामबाबू पंचेश्वर पूर्व पार्षद छविराम नागेश्वर (सरपंच चिचगांव), प्रेमसिंह मर्सकोल्हे सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि मामले की निष्पक्ष जांच नहीं कराई गई और दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई, तो कांग्रेस पार्टी प्रदेशव्यापी जनआंदोलन छेड़ने के लिए बाध्य होगी।